

SEC – 42: रंगमंच

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
	2			2		

Course Objective:

- हिन्दी रंगमंच का सामान्य परिचय कराना ।
- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया की जानकारी देना ।
- अभिनय के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना ।
- रंगमंच के खेलों और गतिविधियों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes:

- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।
- रंगमंच की सामान्य जानकारी मिलने के उपरान्त इस क्षेत्र में विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी ।
- रंगमंचीय गतिविधियों से विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा ।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

SYLLABUS OF SEC-42

यूनिट 1

(4 सप्ताह)

- भरत मुनि कृत नाट्यशास्त्र (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का पारंपरिक रंगमंच (संक्षिप्त परिचय)

यूनिट 2

(4 सप्ताह)

प्रस्तुति-प्रक्रिया: आलेख का चयन, अभिनेताओं का चयन, दृश्य-परिकल्पना (ध्वनि-संगीत-नृत्य-प्रकाश), पूर्वाभ्यास

यूनिट 3 (4 सप्ताह)
अभिनय की तैयारी: वाचिक, आंगिक, आहार्य, सात्विक

यूनिट 4 (2 सप्ताह)
आशु अभिनय, थिएटर गेम्स, संवाद-वाचन, शारीरिक अभ्यास, सीन वर्क

यूनिट 5 (1 सप्ताह)
मंच प्रबंधन: सेट, रंग-सामग्री, प्रचार-प्रसार, ब्रोशर-निर्माण

सन्दर्भ पुस्तकें:

- संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम् - राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- रंग स्थापत्य: कुछ टिप्पणियाँ - एच. वी. शर्मा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- पारंपरिक भारतीय: रंगमंच अनंतधाराएँ - कपिला वात्स्यायन, अनुवाद - बदी उज़्जम्मा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 1995
- हिंदी रंगमंच का लोकपक्ष, सं प्रो. रमेश गौतम, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली 2020
- मंच आलोकन - जी. एन. दासगुप्ता, अनुवाद - अजय मलकानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 2006
- रंगमंच के सिद्धांत - सं महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2008

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 marks

Practical Exam (Internal): 25 marks

End Semester University Exam: 50 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.